Section	SHN No.	Length (km)
Bangalore-Cochin	SNH1	500
Cochin-Trivandrum-Kanyakumari	SNH1	250
Link to Marmagao Port	SNH1C	250
Link to Mangalore Port	SNH1D	300
Jaipur-Agra	SNH1A	220
Ahmedabad-Kandla	SNH1B	300
Amritsar-Chandigarh-Delhi	SNH2	450
Delhi-Kanpur	SNH2	400
Kanpur-Patna	SNH2	600
Patna-Dhanbad-Calcutta	SNH2	400
Calcutta-Bhubaneswar	SNH2	440
Bhubaneswar-Madras	SNH2	1100
Link to Haldia Port	SNH2A	50
Link to Paradeep Port	SNH2B	75
Link to Visakhapatnam Port	SNH2C	70
Madras-Kanyakumari	SNH-2	650
Link to Tuticorin Port	SNH2D	50
Srinagar-Jammu-Pathankot	SNH3	350
Pathankot-Jalandhar	SNH3	200
Patna-Guwahati	SNH4	500
Delhi-Agra	SNH5	220
Agra-Nagpur	SNH5	750
Nagpur-Hyderabad	SNH5	400
Hyderabad-Bangalore	SNH5	550
Bombay-Nagpur	SNH6	800
Nagpur-Rourkela	SNH6	650
Rourkela-Dhanbad	SNH6	250
Bangalore-Madras	SNH7	300

Restriction on the entry of Foreign Skilled Workers into the U.S.A.

2244. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the U.S. Immigration Commission has imposed restrictions on the entry of foreign skilled workers into their countries;

(b) whether it is also a fact that the entry of Indian skilled workers is also affected by this regulation;

(c) if so, to what extent; and

(d) whether Government have moved in this matter; if so, with what results?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI PRANAB MUKHERJEE): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) The new US regulations, which came into effect on January 13, 1995, makes the timely procurement of visa difficult for Indian professionals. This could have an adverse impact on Indian professionals required to visit the US in connection with the delivery of services particularly in the field of software.

(d) Government have conveyed India's concern to the US Government at various levels, both in India and the US. It has been emphasized that the new rules will result in delays in the projects being undertaken by Indian organisations who

are working for US industry under contract or in partnership.

The US Government appreciates Indian concerns in this regard. The matter is also under discussion at the WTO since the US regulations are not India-specific, but apply to skilled foreign professionals generally.

Government are carefully monitoring developements in this regard and remain alert to safeguarding Indian interests in this matter.

राष्ट्रीय जलमार्गों द्वारा माल की ढुलाई

2245. **श्रीमती सुषमा स्वराज:**
श्री राम जेठमलानी:

क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में माल की ढुलाई का कार्य राष्ट्रीय जलमार्गों द्वारा किया जाता है;

(ख) यदि हां, तो स्थापित किये गये राष्ट्रीय जलमार्गों की कुल संख्या कितनी है और प्रत्येक जलमार्ग की लम्बाई कितनी-कितनी है;

(ग) क्या यह सच है कि इन जलमार्गों के अनुचित रख-रखाव और माल ढुलाई के लिए अन्य सुविधाओं के अभाव के कारण इन जलमार्गों द्वारा माल ढुलाई की मात्रा में कमी आ रही है;

(घ) यदि नहीं, तो वर्ष 1990-91 और 1994-95 के दौरान प्रत्येक जलमार्ग द्वारा कितनी मात्रा में माल की ढुलाई की गई; और

(ङ) जलमार्गों के उपयोग में निरंतर कमी आने के क्या कारण हैं?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर): (क) जी हां।

(ख) भारत सरकार ने निम्नलिखित तीन राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किए हैं:—

1. हल्दिया से इलाहाबाद तक (1820 कि०मी०) गंगा-भागीरथी-हुगली नदी प्रणाली राष्ट्रीय जलमार्ग 1 के रूप में।
2. बांग्ला देश सीमा से सदिया तक (891 कि०मी०) ब्रह्मपुत्र नदी राष्ट्रीय जलमार्ग 2 के रूप में।
3. उद्योग मंडल नहर (23 कि०मी०) के साथ-साथ कोल्लाम से कोट्टापुरम तक (168 कि०मी०) पश्चिमी तटीय नहर तथा चम्पाकारा नहर (14 कि०मी०) राष्ट्रीय जलमार्ग 3 के रूप में।

(ग) भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण चरणबद्ध रूप में संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर राष्ट्रीय जलमार्गों का रख-रखाव तथा उनमें सुधार कार्य करता है। रख-रखाव संबंधी किसी प्रकार की समस्या के कारण राष्ट्रीय जलमार्गों पर चलने वाले यातायात पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता।

(घ) 1990-91 और 1994-95 के बीच तीनों राष्ट्रीय जलमार्गों के जरिए ढोए गए माल की मात्रा नीचे दर्शाई गई है:—

(लाख टन)

		1990-91	1994—95
1.	राष्ट्रीय जलमार्ग सं० 1	3.25	4.47
2.	राष्ट्रीय जलमार्ग सं० 2	0.38	0.13
3.	राष्ट्रीय जलमार्ग सं० 3	3.45	5.39

(ङ) राष्ट्रीय जलमार्ग 1 और 3 के जरिए ढोए गए माल की मात्रा में बढ़ोत्तरी हुई है। कार्गो की अपर्याप्त पेशकश के कारण राष्ट्रीय जलमार्ग सं० 2 पर सी आई डब्ल्यू टी सी द्वारा ढोए गए माल की मात्रा में कमी आई है।

News item Regarding spread of Terrorism in the country

2246. DR. MURLI MANOHAR JOSHI:
SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI:

Will the Minister of be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the editorial "Atankwad Ke ubarte saye desh ke charon konou main" published in the Punjab Kesari of July 21, 1995;

(b) if so, what are the detailed comments of Government with regard to recent bomb explosions at Jagadhari, Saharanpur, Tamil Nadu and the devastating bomb explosion in Jammu on